Result Mitra Daily Magazine

हंगरी सरकार ने बेलारूस के साथ परमाणु समझौते पर हस्ताक्षर किये

(Hungary government signs nuclear deal with Belarus)

हालिया संदर्भ

- आज बुधवार 29 मई को हंगरी के विदेश मंत्री ने बेलारुस के साथ बड़े महत्वपूर्ण परमाणु समझौते पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की।
- हंगरी के विदेश मंत्री पीटर सिज्जटो ने कहा कि बेलारूस के साथ किया गया यह महत्वपूर्ण परमाणु समझौता हंगरी के दूसरे परमाणु संयंत्र PAKS 2 के निर्माण में मदद के लिये प्रौद्योगिकी और ज्ञान हस्तांतरण के संबध में है।

हंगरी के परमाणु ऊर्जा संयंत्र-

- हंगरी में परमाणु ऊर्जा राष्ट्रीय ऊर्जा मिशन में निर्णायक भूमिका निभाती है।
- वर्तमान में हंगरी अपनी कुल ऊर्जा आवश्यकता का आधे से अधिक परमाणु ऊर्जा से प्राप्त करता है।
- वर्ष 1956 में पहली बार हंगरी में राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा संयंत्र की स्थापना की गई।
- जबकि पहला परमाणु ऊर्जा शोध रिएक्टर 1959 में शुरु किया गया।
- वर्ष 1966 में हंगरी ने परमाणु ऊर्जा संयंत्र बनाने के लिये सोवियत रूस के साथ समझौता किया।
- हंगरी के पहले ऊर्जा संयंत्र के लिये हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट से 100 km दूर पाक्स साइट को चुना गया।
- इस प्रकार सोवियत संघ की मदद से हंगरी में परमाणु संयंत्र की चार इकाई कमश: 1974, 1979, 1982, और 1987 में शुरु किये गये।हालांकि परमाणु रिएक्टर का जीवनकाल 80 वर्षों का होता है, इसलिए हंगरी की संसद ने पाक्स में परमाणु रिएक्टर की चारों इकाइयों की जीवनकाल बढ़ाने की मंजूरी दी।
- दिसबंर 2003 में परमाणु पावर प्लांट लिमिटेड कम्पनी एमबीएम पाक्स ने इन चारों न्युक्लियर रिएक्टर इकाई का जीवनकाल 70 वर्षों तक बढ़ाने का फैसला लिया।

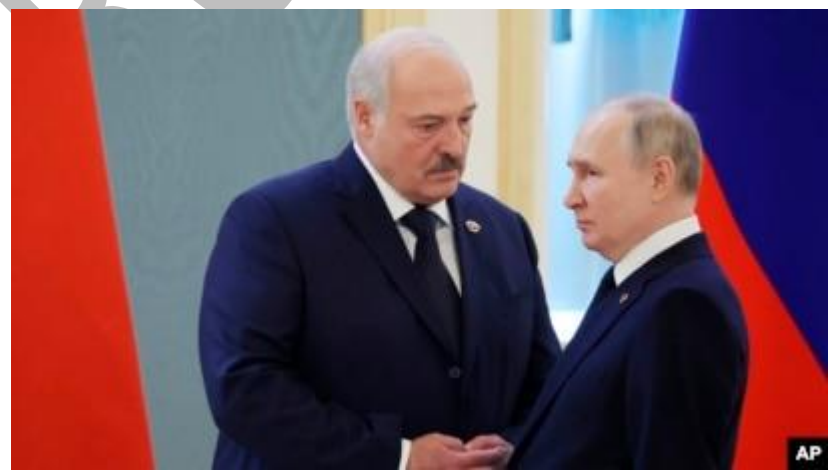

Result Mitra

वर्ष 2014 में रुसी परमाणु रिएक्टर कम्पनी रोसाटॉम के साथ हंगरी का नया परमाणु समझौता

- हंगरी सरकार ने जनवरी 2014 में रुसी परमाणु रिएक्टर निर्माता कम्पनी रोसोटॉम के साथ पाक्स में दो नये परमाणु रिएक्टर बनाने के समझौते पर हस्ताक्षर किया।
- इस नये परमाणु समझौते की अनुमानित लागत लगभग 10 बिलियन यूरो है।
- पाक्स में बनने वाले इस नये दो परमाणु रिएक्टर की शुरु होने की अनुमानित समय 2026 है।
- ज्ञातव्य हो कि हंगरी 1969 में परमाणु अप्रसार संधि (NPT) पर हस्ताक्षर करके एक गैर परमाणु हथियार देश के रुप में जाना जाता है।

हंगरी का शुद्ध शून्य उत्सर्जन कानून-

- हंगरी की संसद द्वारा जून 2020 में हंगरी को शुद्ध शून्य उत्सर्जन लक्ष्य को 2050 तक हासिल करने का कानून पारित किया गया है।
- वर्ष 2050 तक इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा में 21% तक बढ़ोतरी करने का लक्ष्य रखा है जिनमें नये परमाणु ऊर्जा संयंत्र का निर्माण भी शामिल है।

हंगरी के ऊर्जा जरुरतों की आपूर्ति-

- हंगरी अपनी सभी ऊर्जा आवश्कताओं की पूर्ति के लिए लगभग पूरी तरह से रुस पर निर्भर है।
- हंगरी, रुस से अपनी कुल प्राकृतिक गैस का 75%, तेल का 80% और परमाणु ईंधन का 100% आयात करता है।

रोसाटॉम

- रोसाटॉम जिसे स्टेट न्यूक्लियर एनर्जी कॉर्पोरेशन के नाम से भी जाना जाता है। यह एक रुसी कम्पनी है जिसकी स्थापना 1 दिसंबर 2007 को हुई।
- इस कम्पनी का प्रमुख कार्य परमाणु रिएक्टर, परमाणु ईंधन का निर्माण तथा यूरेनियम खनन और यूरेनियम संवर्धन का है।
- इस कम्पनी का स्वामित्व रुसी सरकार के पास है।

मुख्यालय- मॉस्को (रुस)

- भारत में भी रोसाटॉम इंडिया के रुप में इनकी शाखा काम करती है।

हंगरी (एक परिचय)

- हंगरी मध्य यूरोप का चारों तरफ से घिरा एक स्थलरुद्ध (landlock) देश है।

Result Mitra

- हंगरी की कुल जनसंख्या वर्ष 2023 के अनुसार लगभग 10 करोड़ है।

क्षेत्रफल- 93,030 वर्ग किलोमीटर

- हंगरी के उत्तर-पूर्व में यूरोप, दक्षिण में सर्विया, दक्षिण-पश्चिम में क्रोएशिया और स्लोवेनिया, और पश्चिम में आस्ट्रिया है।

राजधानी- बुडापेस्ट

जीडीपी- 438 बिलियन डॉलर

हंगरी - बेलारुस के संबंध

- हंगरी और बेलारुस के बीच 12 फरवरी 1992 को द्विपक्षीय संबंध स्थापित किये गये।
- वर्ष 2022 के ऑकड़े के अनुसार हंगरी बेलारुस को 104 मिलियन डॉलर मूल्य का निर्यात किया जिनमें पैकेज्ड मेडिकमेंटस, डेन्टल प्रोडक्टस और अमिनो रेजिन शामिल हैं।
- 2022 के ऑकड़े के अनुसार हंगरी का बेलारुस से कुल आयात 47.3 मिलियन डॉलर का है।

Result Mitra